भारत के संविधान के उपबंध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में बुधवार तिथि १६ नवम्बर, १९६० को पूर्वाह्न ११ बजे अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

श्री दीप नारायण सिंह—महाशय, मैं द्वितीय बिहार विधान-सभा के चतुर्थ सत्र (नवम्बर, दिसम्बर, १९५८) के शेष ४५२ अनागत तारांकित प्रश्नों में से ११२ प्रश्नों के उत्तर सभा की मेज पर रखता हूं। शेष प्रश्नों के उत्तर सचिवालय के विभागों से प्राप्त होने पर उपलब्ध कराये जायंगे।

सूची।

क्रम संख्या।	सदस्यों का नाम।	प्रश्न संख्या।
१	श्री रामदेव सिंह	२१
२	श्री रमा कान्त झा	८०, ५३३, ५६४
३	श्री कर्पूरी ठाकुर	८७, ७१६
४	श्री वैद्यनाथ प्रसाद सिंह	११७, ५९३, ५९४, १०५७
५	श्री रसिक लाल यादव	१५९, ७६२, ८३४
६	श्री राम नारायण शर्मा	२८९
७	श्री रामेश्वर प्रसाद महथा	२९४
८	श्री राघवेन्द्र नारायण सिंह	३०५, ८६३
९	श्री राम जन्म ओझा	३१५, ८७१८
१०	श्री ब्रजनन्दन शर्मा	३१७, ७९१
११	श्री राजाराम आर्य	३१८
१२	श्री देवेन्द्र नाथ झा	३२२
१३	श्री वासुदेव प्रसाद सिंह	३२७, ४९६, ७६८, ७६९, ९१०।

PROMOTION OF SCHEDULED CASTES.

1027. **Shri NARSINGH BAITHA:** Will the Agriculture Minister be pleased to state how many Scheduled Caste candidates have been promoted from the rank of—

(a) Subdivisional Inspector of Weights and Measures;

(b) Marketing Survey Assistant to the post of District Agricultural Marketing Inspector?

श्री वीरचन्द पटेल—(क) एवं (ख) एक भी नहीं। मार्केटिंग सर्वे असिस्टेन्ट के पद पर कोई भी अनुसूचित जाति वाले कार्य नहीं कर रहे हैं अतः पदोन्नति का प्रश्न ही नहीं उठता। अवर-प्रमंडल माप-तौल निरीक्षक के पद से अनुसूचित जाति वालों में से किसी की पदोन्नति कृषि क्रय-विक्रय निरीक्षक के पद पर नहीं हुई है।

रब्बी का बीज नहीं मिलना।

१०२८। श्री योगेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव—क्या कृषि मंत्री, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि रब्बी आन्दोलन की सफलता के लिए सरकार ने राज्य में चारों ओर रब्बी के बीज की व्यवस्था की है;

(२) क्या यह बात सही है कि चम्पारण जिले में रब्बी बीज नहीं गई है; यदि हां, तो क्यों?

श्री वीरचन्द पटेल—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) प्रश्न के प्रथम खंड का उत्तर नकारात्मक है अतएव द्वितीय खंड का प्रश्न नहीं उठता।

सबौर में रेजिनल सेट-अप स्कीम के द्वारा काम।

१०२९। श्री बद्री सिंह—क्या कृषि मंत्री, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि कृषि विशेषज्ञों को दिन-प्रति-दिन के प्रशासन-कार्य से मुक्त कर वैज्ञानिक अनुसंधानों में अधिक ध्यान देने के लिए सरकार ने रेजिनल सेट-अप स्कीम बतायी थी;

(२) यदि खंड (१) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सबौर में अभी इसे कार्यान्वित किया गया है या नहीं; यदि नहीं, तो क्यों?

श्री वीरचन्द पटेल—(१) रिजनल सेट-अप स्कीम का यह भी एक उद्देश्य है।

(२) सबौर में भी अन्य क्षेत्रों के साथ ही यह योजना १ जनवरी १९५५ से कार्यान्वित की गई है।